

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 240] नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 2, 1970/आषाढ़ 11, 1892  
No. 240] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 2, 1970/ASADHA 11, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF FOREIGN TRADE

### ORDER

New Delhi, the 2nd July 1970

S.O. 2299—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 2622/18A/IDRA/69, dated the 25th June, 1969, the management of the whole of the industrial undertaking known as the Om Parasakthi Mills Limited, Coimbatore had been taken over by the Authorised Controller referred to therein for a period upto and inclusive of the 4th July, 1970;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period upto and including the 4th July, 1972;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to Sub-Section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (85 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and including the 4th July, 1972.

[No. F.7(49)/70-Tex(G).]

P. K. SAMAL Jt. Secy.

## विदेशी व्यापार मंत्रालय

## आवेश

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1970

सं० आ० 2299—यन भारत सरकार के औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 2622/18 ए/आई० डी० आर० ए०/69, दिनांक 25 जून, 1969 द्वारा प्रोम पराशक्ति मिल्स लि०, कायम्बटूर नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उपर्युक्त आदेश में निर्दिष्ट, प्राधिकृत नियन्त्रक द्वारा 4 जुलाई 1970 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, ग्रहण कर लिया गया था,

और यन केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समोचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियन्त्रक के अधीन उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 4 जुलाई, 1972 तक, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, की अवधि के लिए और बना रहता चाहिए,

अतः, अब, उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18ए की उप-धारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा निदेश देती है कि उपरिर्वाणित आदेश का प्रभाव 4 जुलाई, 1972 तक, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, की अवधि के लिए और बना रहेगा।

[स० फा० 7/49/70—टैक्स (जी)]

पी० के० समाल, संयुक्त सचिव।